प्रायश्चित समक्ष श्याम | By Ushann Das

कर ना सके कोई जो इस कलयुग में
करते हो वो तुम श्याम
वरदान मिला जो तुम्हे हरी से
एक विनती है मेरी श्याम तुझसे
श्याम तुझसे, श्याम तुझसे
जाने अनजाने में हुए जो पाप मुझसे
इस जनम में या फिर पिछले जनम में
कर दो न माफ़ मेरे, तुम ये सारे गुनाह
रख लो मुझको चरणों में तेरे बना लो मुझको अपना
कर ना सके कोई जो इस कलयुग में
करते हो वो तुम श्याम
वरदान मिला जो तुम्हे हरी से

हुए हैं गुनाह मुझसे जितने
भोग रहा हूँ दुःख भी उतने
करता जो कर्म है जैसा
पाता भी वो कष्ट है वैसा
करे जो भक्ति श्याम तेरी
सता ना सके दुश्मन बैरी
है तू एक ऐसा देव, पाप को जल्द हर लेते हो
बाप बन कर तुम भक्तों के उन्हें औलाद समझ लेते हो
कर ना सके कोई जो इस कलयुग में
करते हो वो तुम श्याम
वरदान मिला जो तुम्हे हरी से

परिवार में मेरे, चहीते हो तुम सबके
हर वक़्त तुम्हे ही पूजे, सिवा ना कोई तेरे सूझे
पाप जो प्रारब्ध के, हैं मेरे
कट जायेंगे अब तो ये, श्याम तेरे सहारे
भोगे बिन पाप को, कैसे सुख पाऊंगा
कर प्रायश्चित समक्ष तेरे, जल्द ही तर जाऊँगा
कर पार भव सागर को मैं, श्याम तुझमे रम जाऊंगा
कर न सके कोई .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%af%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%9a%e0%a4%bf%e0%a4%a4-%e0%a4%b8%e0%a4%ae%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%b7-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-by-ushann-das/